Naveen Shodh Sansar (An International Refereed / Peer Review Multidisciplinary Research Journal)
RNI No.- MPHIN/2013/60638, ISSN 2320-8767, E- ISSN 2394-3793, Scientific Journal Impact Factor (SJIF)- 8.054,
October to December 2024, E-Journal, Vol. I, Issue XLVIII, ISO 9001:2015 - E2024049304 (QMS)

अलग-अलग भोगोलिक क्षेत्र के विद्यार्थियों कि हिमेटोलॉजीकल चरों का एक तुलनात्मक अध्ययन

महेश कुमार शर्मा *

* शोधार्थी (शारीरिक शिक्षा) भूपाल नोबल्स विश्वविद्यालय, उदयपुर (राज.) भारत

शोध सारांश – भारत में ही राजस्थान राज्य के भौगोलिक क्षेत्र की सरंचना में पहाड़ी क्षेत्र समतल क्षेत्र दोनों ही प्रकार के क्षेत्र में जनता निवास करती है। राजस्थान का इतिहास आलोकीक है, यहाँ पर पहाड़ क्षेत्र में अरावली पर्वत माला गुजरती है, इसलिए राजस्थान में भौगोलिक क्षेत्र में पहाड़, पठार समतल रेगिस्तान सभी प्रकार के क्षेत्र विद्यमान है।

प्रस्तावना – इस संशोधन में राजस्थान के पहाड़ी क्षेत्र तथा समतल क्षेत्र के माध्यमिक विद्यालय में अध्ययनरत छात्र वर्ग कि शारीरिक योग्यता के चरों के हाथ ओर कंधों के स्नायुओं का स्नायु बल तथा सहन शक्ति, तेज गति तथा गति सुमेल, पैर का विस्फोटक बल, तथा रुधिराभिसरण श्वसन सहन शक्ति का ध्यान रखने मे मदद मिलेगी। राजस्थान राज्य के पहाड़ी क्षेत्र तथा समतल क्षेत्र के अलग अलग क्षेत्र पुरुषों कि बी. एम. आई., वजन तथा ऊंचाई का पता चलेगा जिससे खेल जगत में इसका लाभ होगा। राजस्थान राज्य के पहाड़ी क्षेत्र तथा समतल क्षेत्र के अलग अलग क्षेत्र पुरुषों कि हिमेटोलॉजीकल के चरों का लाल रक्त कणो, श्वेत रक्त कणो, प्लेटलेट्स, हीमोग्लोबिन आदि का पता चलेगा जिससे स्वास्थ्य का ख्याल रहेगा। इस अभ्यास से शारीरिक शिक्षकों को खेल के अनुसार चयन करने में मदद होगी। इस अभ्यास से अच्छे खिलाड़ियों को पसंद करने में मदद मिलेगी। इस अभ्यास से शारीरिक शिक्षा के प्रशिक्षण के कार्यक्रम तैयार करने में सहायता मिलेगी। इस अभ्यास से मेडिकल के क्षेत्र में भी मदद मिलेगी।

उद्देश्य :

1. अलग अलग भोगोलिक क्षेत्र के विद्यार्थियों कि हिमेटोलॉजीकल चरों का एक तुलनात्मक अध्ययन।
2. राजस्थान राज्य के पहाड़ी क्षेत्र तथा समतल क्षेत्र के अलग अलग क्षेत्र पुरुषों कि हिमेटोलॉजीकल के चरों का मापन करना।
3. राजस्थान राज्य के पहाड़ी क्षेत्र तथा समतल क्षेत्र के अलग अलग क्षेत्र पुरुषों कि हिमेटोलॉजीकल के चरों की आपस में तुलना करना।

परिकल्पना :

1. राजस्थान राज्य के पहाड़ी क्षेत्र तथा समतल क्षेत्र के अलग अलग क्षेत्र पुरुषों कि हिमेटोलॉजीकल के चरों में सार्थक अंतर देखने को मिलेगा।

क्र.	चर	परीक्षण	मापन विधि
1.	लालरक्त कण	हीमोटोलॉजी अनालिसिस मशीन	(माइकोलीटर) Mil./cu.Mm
2.	श्वेत रक्त कण	हीमोटोलॉजी अनालिसिस मशीन	G/di (माइकोलीटर) Gms/100ml
3.	प्लेटलेट्स	हीमोटोलॉजी अनालिसिस मशीन	(माइकोलीटर) Mil./cu.Mm
4.	हीमोग्लोबीन	हीमोटोलॉजी अनालिसिस मशीन	G/di (माइकोलीटर) Gms/100ml

सीमाएं – जो घटक शोधकर्ता के नियंत्रण के में नहीं है वह इस प्रकार से है।

1. विद्यार्थियों का सामाजिक एवं आर्थिक स्तर को नियंत्रण से बाहर रखा था।

परिसीमाएं :

1. यह शोध कार्य राजस्थान तक के विद्यार्थियों तक सीमित था।
2. यह शोध कार्य राजकीय विद्यालय में अध्ययनरत माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों तक सीमित था।
3. आयु सीमा अधिकतम 14 से 18 वर्ष तक विद्यार्थियों तक सीमित था।

आंकड़ों का विश्लेषण – अलग अलग भोगोलिक क्षेत्र के विद्यार्थियों कि हीमोटोलॉजीकल चरों कि तुलना करने के लिए विचरण प्रथक्करण (ANOVA) टेस्ट का प्रयोग किया गया था। मध्यमान के बीच पता करना के लिए LSD (Least Significant Difference) परीक्षण द्वारा 0.05 स्तर से सार्थकता मापी गई थी ।

अध्ययन के परिणाम:

1. अलग अलग भोगोलिक क्षेत्र में विद्यार्थियों की हीमोग्लोबिन परीक्षण का समतल क्षेत्र के 13.30, देखने को मिला था, तथा पहाड़ी क्षेत्र में 14.88, मध्यमान देखने को मिला था। तथा दोनों समूहों मध्यमान विचरण 26.57, देखने को मिला था। तथा दोनों समूहों के प्राप्तांक का मध्यमान विचरण 2.14, देखने को मिला था। जबकि 't' रेशीयों 12.40 देखने को मिला था। जिसे टेबल की वेल्यू के साथ देखने पर सार्थकता का स्तर 0.05 स्तर 't' = 0.05 (3,196) कोई सार्थक अंतर देखने को नहीं मिला। हीमोग्लोबिन परीक्षण में दोनों समूहों में कोई सार्थक अंतर देखने को नहीं मिला। समानता पाई गई थी।
2. अलग अलग भोगोलिक क्षेत्र में विद्यार्थियों की लाल रक्त कण परीक्षण का समतल क्षेत्र के 5.07, देखने को मिला था, तथा पहाड़ी क्षेत्र में 5.09, मध्यमान देखने को मिला था। तथा दोनों समूहों मध्यमान विचरण 11.12, देखने को मिला था। तथा दोनों समूहों के प्राप्तांक का मध्यमान विचरण 0.35, देखने को मिला था। जबकि 't' रेशीयों 31.84 देखने को मिला था। जिसे टेबल की वेल्यू के साथ देखने पर सार्थकता का स्तर 0.05 स्तर 't' =

0.05 (3,196) कोई सार्थक अंतर देखने को नहीं मिला। लाल रक्त कण परीक्षण में दोनों समूहों में कोई सार्थक अंतर देखने को नहीं मिला। समानता पाई गई थी।

3. अलग अलग भोगोलिक क्षेत्र में विद्यार्थियों की श्वेत रक्त कण परीक्षण का समतल क्षेत्र के 6702.00, देखने को मिला था, तथा पहाड़ी क्षेत्र में 7336.00, मध्यमान देखने को मिला था। तथा दोनों समूहों मध्यमान विचरण 12620983.33, देखने को मिला था। तथा दोनों समूहों के प्राप्तांक का मध्यमान विचरण 2043729.59, देखने को मिला था। जबकि 't' रेशीयों 6.18 देखने को मिला था। जिसे टेबल की वेल्यू के साथ देखने पर सार्थकता का स्तर 0.05 स्तर 't' = 0.05 (3,196) कोई सार्थक अंतर देखने को नहीं मिला। श्वेत रक्त कण परीक्षण में दोनों समूहों में कोई सार्थक अंतर देखने को नहीं मिला। समानता पाई गई थी।

4. अलग अलग भोगोलिक क्षेत्र में विद्यार्थियों की प्लेटलेट्स परीक्षण का समतल क्षेत्र के 311.66, देखने को मिला था, तथा पहाड़ी क्षेत्र में 3.7.62, मध्यमान देखने को मिला था। तथा दोनों समूहों मध्यमान विचरण 896.99, देखने को मिला था। तथा दोनों समूहों के प्राप्तांक का मध्यमान विचरण 3200.37, देखने को मिला था। जबकि 't' रेशीयों 0.28 देखने को मिला था। जिसे टेबल की वेल्यू के साथ देखने पर सार्थकता का स्तर 0.05 स्तर 't'= 0.05 (3,196) कोई सार्थक अंतर देखने को नहीं मिला। प्लेटलेट्स परीक्षण में दोनों समूहों में कोई सार्थक अंतर देखने को नहीं मिला। समानता पाई गई थी।

निष्कर्ष :

1. हीमोग्लोबिन परीक्षण में दोनों समूहों में कोई सार्थक अंतर देखने को नहीं मिला। समानता पाई गई थी।
2. लाल रक्त कण परीक्षण में दोनों समूहों में कोई सार्थक अंतर देखने को नहीं मिला। समानता पाई गई थी।
3. श्वेत रक्त कण परीक्षण में दोनों समूहों में कोई सार्थक अंतर देखने को नहीं मिला। समानता पाई गई थी।
4. प्लेटलेट्स परीक्षण में दोनों समूहों में कोई सार्थक अंतर देखने को नहीं मिला। समानता पाई गई थी।

संदर्भ ग्रंथ सूची : -

1. जी स्पोरिस, फुटबॉल अमेरिकन स्पोर्ट्स जर्नल में फिटनेस प्रोफाइलिंग एलीट खिलाड़ियों की शारीरिक और शारीरिक विशेषताएं। जे स्ट्रेंथ कॉन्ड रेस 23 (7).1947-1953,2009
2. रॉय एस.के. (1995), उत्तरी पश्चिम बंगाल, भारत में काम किए गए उच्च और निम्न उत्पादकता के शारीरिक और मानवमितीय विशेषताओं का तुलनात्मक अध्ययन। पूर्वाह्न। जे हम। बायोआई।, 1310070603अजहब./1002 10:दोई: 7: 693-699।
3. एलीट सॉकर अमेरिकन जर्नल वॉल्यूम 18, अंक 9, 2000 के लिए टी. रेली एंथ्रोपोमेट्रिक और फिजियोलॉजिकल प्रीडिस्पोजिशन
4. एलीट ऑस्ट्रेलियन रूल्स फुटबॉल में स्टार्टर और नॉन स्टार्टर्स प्लेइंग पोजीशन के युवा, डब्ल्यूबी फिजियोलॉजिकल और एंथ्रोपोमेट्रिक लक्षण: एक केस स्टडी। स्कूल ऑफ ह्यूमन मूवमेंट एंड स्पोर्ट्स साइंसेज, यूनिवर्सिटी ऑफ बैलरैट, विक्टोरिया, ऑस्ट्रेलिया।
5. अनिंदिता मंडल 'एंथ्रोपोमेट्रिक एंड फिजियोलॉजिकल प्रोफाइल ऑफ इंडियन शूटर' इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एप्लाइड स्पोर्ट्स साइंसेज 2011, वॉल्यूम। 23, नंबर 2, 394-405।
6. मीर होजत मौसवी नेजहाद ने एलीट साइकिलिंग और कराटे एथलीटों की एंथ्रोपोमेट्रिक और फिजियोलॉजिकल विशेषताओं की तुलना स्कॉलर्स रिसर्च लाइब्रेरी एनाल्स ऑफ बायोलॉजिकल रिसर्च, 2012, 3 (1): 628-631)
7. राठौड़ अरुण सिंह सरकारी स्कूल के राज्य खिलाड़ी और निजी स्कूल के राज्य स्तरीय खिलाड़ी के बीच एंथ्रोपोमेट्रिक माप का एक तुलनात्मक अध्ययनष त्रैमासिक ऑन लाइन इंडेक्स डबल ब्लाइंड पीयर इन्नुपे ग्वालियर, एम.पी., भारत www.ijems.net वॉल्यूम-1 अंक-02 दिसंबर-2012
8. संतोषी 'आदिवासी महिला बास्केट बॉल, निजी स्कूल राज्य स्तरीय खिलाड़ियों और सरकारी स्कूल राज्य आदिवासी महिला खिलाड़ी के बीच चयनित मोटर फिटनेस चर की तुलना' गोल्डन रिसर्च थॉट्स: दिसंबर 2011, वॉल्यूम। 1 अंक 6, विशेष खंड 1 अकादमिक जर्नल।
9. हामिद अराजी एंथ्रोपोमेट्रिक एंड फिजियोलॉजिकल प्रोफाइल ऑफ एलीट जूनियर पुरुष और महिला ईरानी रोवर्स मिडिल- इस्लामिक आजाद यूनिवर्सिटी, मारिवन ब्रांच, मारिवन ईरान। ईस्ट जर्नल ऑफ साइंटिफिक रिसर्च 9 (2): 162,2011 आईएसएसएन 1990-9233।
10. एम जे डंकन 'जूनियर एलीट प्राइवेट स्कूल स्टेट प्लेयर्स के एंथ्रोपोमेट्रिक और फिजियोलॉजिकल लक्षण' ब्र जे स्पोर्ट्स मेड। 2006 जुलाईय 649-651। दोई: 101136/बीजेएसएम.021998. 2005

****